हिक्स हैन्सन के अनुसार ब्याज दर का निर्धारण उस बिन्दु पर होगा जहाँ IS रेखा तथा LM रेखा एक दूसरे को काटेंगी




I = Investment
S = Saving
L = Liquidity
M = Quantity of money

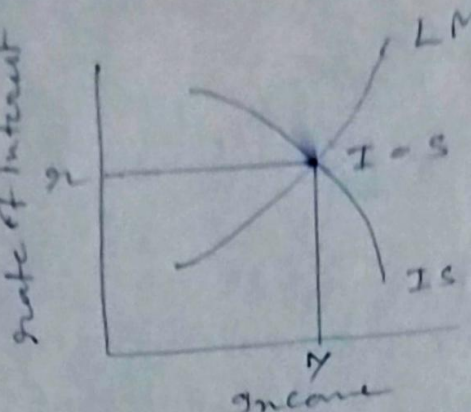

आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने संतुलन ब्याज दर को I=S=L=M के द्वारा प्राप्त किया है जो ऊपर के चित्र में Or है जबकि Keynes के विचार में L=M से ही Or प्राप्त होगा। Keynes के विचार में ब्याज दर को अल्पकाल में स्थिर मान लिया जाता है। इसलिए MEC का निवेश निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक उद्यमी निवेश निर्णय में नयी पूंजी परिसम्पत्ति निवेश सम्बन्धी निर्णय लेने तथा नयी पूंजी परिसम्पत्ति में निवेश करने के पहले उसके जीवन काल में होने वाले भावी लाभों और उसकी पूर्ति कीमत (लागत) की तुलना करेगा अगर भावी आय लागत से अधिक होगी तो वह निवेश करेगा अन्यथा नहीं।

Prospective yield of new assets > supply price of assets = निवेश निर्णय लिया जायेगा

MEC > Interest rate = निवेश की मात्रा में वृद्धि होगी।

इसप्रकार हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि ब्याज दर स्थिर रहने पर पूंजी परिसम्पत्ति की लागत मूल्य से सम्भावित आय अधिक रहने पर निवेश सम्बन्धी निर्णय उद्यमी द्वारा लिया जाता है। केन्स के अनुसार निवेश को प्रभावित करने वाले तत्वों को अल्पकालीन

एवं दीर्घकालीन तत्वों को बाँटा जा सकता है —

निवेश को प्रभावित करने वाले अल्पकालीन तत्व —

1. $\frac{\Delta C}{\Delta Y}$ में परिवर्तन कर निवेश में परिवर्तन लाया जा सकता है।
2. तरल परिसम्पत्ति में परिवर्तन कर निवेश परिवर्तित किया जा सकता है।
3. आय परिवर्तन कर निवेश परिवर्तित किया जा सकता है।
4. वस्तु की मांग, प्रकृति, लागत एवं मूल्य स्तर से निवेश प्रभावित होता है।
5. आशावाद तथा निराशावाद के द्वारा निवेश प्रभावित होता है।

दीर्घकालीन तत्व :—

1. जनसंख्या के आकार में परिवर्तन से निवेश निहित प्रभावित होगा। निवेश प्रभावित होगा
2. उत्पादन पद्धति में परिवर्तन होने से निवेश निर्भर करता
3. पूँजीगत वस्तुएं एवं मशीन की पूर्ति पर अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में
4. नये बाजार स्थापित होने पर, निवेश क्रिया प्रभावित होता है। सफलता पाने पर

**स्वायत्त निवेश (Autonomous Investment)**

स्वायत्त निवेश आय स्तर से स्वतन्त्र होता है अर्थात आय स्तर में होने वाले परिवर्तनों से स्वायत्त निवेश अप्रभावित रहता है। लाभ की ऊंची इच्छा भी इस निवेश को प्रभावित नहीं करती है। स्वायत्त निवेश ऐसा सरकारी निवेश है जो सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में समग्र माँग के स्तर को बढ़ाने के लिए किया जाता है। तकनीकी परिवर्तन से भी स्वायत्त निवेश प्रभावित होता है। उद्यमी द्वारा किया गया नवप्रवर्तन भी स्वायत्त निवेश को प्रभावित करता है।

अतः $I_a = f(E, T, I_g)$

E = उद्यमी द्वारा नवप्रवर्तन
T = तकनीकी परिवर्तन
$I_g$ = सरकारी निवेश

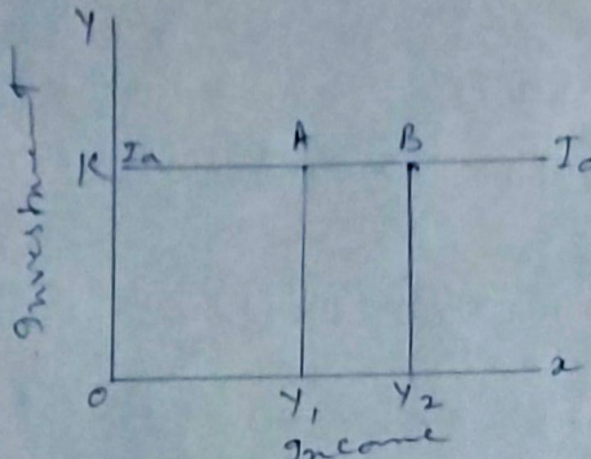

उपर्युक्त चित्र में $I_a I_a$ स्वायत्त निवेश वक्र है जो यह प्रदर्शित करता है कि आय के सभी स्तरों पर $OI_a$ स्थिर रहता है।

## Conclusion

इसप्रकार हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते है कि अल्पकालीन निवेश सम्बन्धी निर्णय प्रेरित निवेश $I_i$ से जुड़ा है जबकि दीर्घकालीन निवेश सम्बन्धी निर्णय स्वायत्त निवेश $I_a$ से जुड़ा है। हम अल्पकाल में जीते है तथा दीर्घकाल में मर जाते है अगर कोई उद्यमी किसी भी तरह से प्रेरित निवेश में वृद्धि करने को तैयार नही है, निराशावाद एवं मंदी से घिरा है तब एक मात्र विकल्प होता है कि स्वायत्त निवेश में वृद्धि कर जैसे सड़क निर्माण, नहर, भवन, पुल आदि पर सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर देश में निवेश क्रिया को प्रभावित किया जाय। सरकारी हस्तक्षेप के बिना प्रेरित निवेश सही दिशा में एवं पर्याप्त मात्रा में नही हो पाता है।

—→—

By-
Dr Sandhya Rani
Deptt of Economics
Maharaja College